हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 05 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 12 फरवरी से 18 फरवरी 2021

हे प्रभु !

अगर आपके रहते आपके पिता फटे कपड़े पहनते है तो आपके महंगे कपड़े पहनने का कोई फायदा नही है और माँ से ऊँची आवाज में बात करते है तो देवी की पूजा करने से कोई फायदा नही है – अज्ञात

अनमोल विचार

बेहतर करना अच्छी बात है लेकिन किसी का बेहतर करना बहुत बड़ी बात है – अज्ञात

नजरिया

बोलना तो जन्म के दो वर्षो बाद ही सीख जाते है लेकिन बोलना क्या है इसे सीखने में पूरा जीवन लग जाता है.

–संपादक

संक्षिप्त खबरें

अपवित्र हो रहा किसान आंदोलन, संसद में पीएम मोदी बोले, आंदोलनजीवी कर रहे फायदा उठाने के प्रयास

नई दिल्ली: राज्यसभा में मंगलवार को आंसुओं के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में अलग ही रूप में दिखे। 93 मिनट के भाषण में पीएम मोदी ने किसान आंदोलन, कृषि क्षेत्र के सुधार और कृषि कानूनों पर ज्यादा चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसान गलत धारणाओं के शिकार हैं, पर आंदोलन पवित्र है। जब आंदोलनजीवी पवित्र आंदोलन को अपने फायदे के लिए बर्बाद करने निकलते हैं, तो क्या होता है? दंगाबाज, संप्रदायवादी, नक्सलवादी जो जेल में बंद हैं.

आंदोलनकारी किसान केंद्र में सत्ता परिवर्तन नहीं

अपने मुद्दों का समाधान चाहते हैं : राकेश टिकैत

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को कहा कि आंदोलनकारी किसान केंद्र में कोई सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि अपनी समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसान नेता आंदोलन के प्रसार के लिए देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा करेंगे। किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक कि केंद्र किसानों के मुद्दों का समाधान नहीं कर देता। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र में सत्ता परिवर्तन का हमारा कोई उद्देश्य नहीं है। सरकार को अपना काम करना चाहिए। हम कृषि कानूनों को

निरस्त कराना और एमएसपी पर कानून चाहते हैं। टिकैत ने यह भी कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा की एकता अक्षुण्ण है और सरकार को किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर में बड़ी बैठकों का आयोजन कर और 40 लाख ट्रैक्टरों को शामिल कर आंदोलन को विस्तारित किया जाएगा। टिकैत ने कहा कि किसान नेता आंदोलन के प्रसार के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा करेंगे आज संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में ये फैसले लिए गए 12 फरवरी से राजस्थान के भी सभी रोड टोल प्लाजा को टोल मुक्त करवाया जाएगा।14 फरवरी को पुलवामा हमले में शहीद जवानों के बलिदान को याद करते हुए देशभर में कैंडल मार्च व मशाल जुलूस व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।16 फरवरी को किसान मसीहा सर छोटूराम की जयंती के दिन देशभर में किसान एकजुटता दिखाएंगे18 फरवरी को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक देशभर में रेल रोको कार्यक्रम किया जाएगा। हरियाणा के सिरसा में आगामी 22 फरवरी को किसान महापंचायत का आयोजन किया जाएगा, जिसे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत संबोधित करेंगे।

पैंगोंग से भारत-चीन के सैनिकों की वापसी शुरू

नई दिल्ली: लद्दाख में भारत और चीन के बीच पिछले साल मई से ही हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस विवाद को सुलझाने के लिए दोनों देश सैन्य और राजनयिक स्तर पर कई दौर की वार्ता भी कर चुके हैं। इस बीच चीन की प्रोपेगैंडा फैलाने में माहिर सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि दोनों देश पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से अपनी-अपनी सेनाओं को हटा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि जो सहमति बनी है, उसमें फिंगर 4 में दोनों ओर से पेट्रोलिंग नहीं होगी। फिंगर 4 को नो पेट्रोलिंग जोन घोषित किया गया है। यह चरणबद्ध तरीके से किया जाना है।

ICON OPTICAL GALLERY

Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....

Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....

Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....

Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.

We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA

YOGA classes available

Session 5 days a week

Offline & Online

FREE TRIAL CLASS

C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.

YOGA BY ZAINAB 70213 01200

बीजेपी के साथ हाथ मिला सकती है राज ठाकरे की MNS, फडणवीस का बड़ा बयान

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि राज ठाकरे की एमएनएस भविष्य में बीजेपी के साथ आ सकती है। फडणवीस के इस संकेत ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया समीकरण बनाने की नींव रखी है। हालांकि अभी तक इस चीज पर कोई पुख्ता मसौदा तैयार नहीं हुआ है। फडणवीस का कहना है कि अगर मनसे हिंदुत्व के साथ-साथ गैर मराठी लोगों को अपने साथ जोड़ती है तो वे हमारे साथ आ सकते हैं।

यदि मनसे और बीजेपी एक साथ जुड़ते हैं तो निश्चित महाराष्ट्र की राजनीति में बवंडर आएगा। हालांकि यह यह कोई पहला मामला नहीं है जब बीजेपी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की खबरें सुर्खियां बनी हैं। इसके पहले भी नितिन गडकरी और राज ठाकरे के बीच में वर्ली के एक होटल में मुलाकात हुई थी। तब गडकरी ने भी ऐसे ही संकेत दिए थे।मनसे साथ आई तो क्या होगा?

महाराष्ट्र बीजेपी इन दिनों शिवसेना का तोड़ ढूंढने में जुटी हुई है। राज ठाकरे को अपने साथ मिलाकर बीजेपी शिवसेना को जाने वाले मराठी वोट को बांटने की फिराक में है। शिवसेना के बढ़ती दूरियों को देखते हुए बीजेपी के लिए महाराष्ट्र में मनसे जैसी पार्टी का सपोर्ट काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। लेकिन मनसे को साथ लेने से बीजेपी उत्तर भारतीय मतदाता बिदक सकते हैं। वहीं राज ठाकरे की साख खोती पार्टी को बीजेपी के साथ जुड़ने पर कुछ लाभ मिल सकता है।

फडणवीस का राहुल पर निशाना

देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि बजट को लेकर राहुल गांधी ने जो सवाल खड़े किये हैं। मैं उनसे अपील कर रहा हूँ की वे बजट के पाँच आँकड़े बता दें फिर मैं उनके सवाल का जवाब दूँगा।

वहीं उन्होंने ठाकरे सरकार पर शरजील उस्मानी को बचाने के प्रयास का आरोप लगाया है। एक तरफ देश के समर्थन में जो लोग बोल रहे हैं उनके खिलाफ जाँच हो रही है। वहीं देश विरोधी लोगों को मदद की जा रही है।

राज्यपाल का सम्मान बरकार रहना चाहिए लेकिन कैबिनेट के फैसले का सम्मान जरूरी-संजय राउत

मुंबईः राज्यपाल को विमान मुहैया ना करवाने के मुद्दे पर शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कोश्यारी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र के गवर्नर का सम्मान हमेशा बरकरार रहना चाहिए। लेकिन जिस तरह से उन्होंने महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए 12 नामों की विधायकों की सूची को लटका कर रखा है। वह भी असंवैधानिक और गैरकानूनी है। यह एक तरह से महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट का अपमान है। अगर राज्यपाल महोदय को 15 मिनट प्लेन में बैठना पड़ा तो उन्होंने इसे अपना अपमान मान लिया तो यह भी कैबिनेट का अपमान ही है। बीजेपी नेताओं ने कहा राज्यपाल का अपमान हुआ महाराष्ट्र बीजेपी के सांसद मनोज कोटक ने कहा है कि ठाकरे सरकार के दबाव में अधिकारी काम कर रहे हैं राज्यपाल के साथ ऐसा व्यवहार अपने आप में संविधान का अपमान है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार घमंड में चूर है महाराष्ट्र के राज्यपाल का साफ तौर पर अपमान हुआ है राज्यपाल किसी भी राज्य का प्रथम नागरिक होता है और संविधान कहता है कि मुख्यमंत्री और तमाम मंत्रियों का अपॉइंटमेंट राज्यपाल करते हैं। महाराष्ट्र के इतिहास में आज का दिन काले अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बात की पूर्व सूचना राज्य सरकार को दी गई थी। बावजूद इसके इरादतन राज्यपाल का अपमान किया गया है।

क्या बोले एनसीपी कांग्रेस के नेता

इस मामले में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। वह मंत्रालय में जाकर जरूर इस बारे में संबंधित विभाग से पूछताछ करेंगे। महाराष्ट्र कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। क्या है मामला राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी और ठाकरे सरकार के बीच चल रही नोकझोंक अब चरम सीमा पर पहुंच गई है। दरअसल राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को शुक्रवार यानी 12 फरवरी के दिन मसूरी में होनेवाले लाल बहादुर शास्त्री एकेडमी के वार्षिक समारोह में शामिल होने के लिए आज 11 बजे की सरकारी चार्टेड प्लेन से रवाना होना था। लेकिन जब कोश्यारी मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे तो वो 15 से 20 मिनट तक अपने चार्टेड प्लैन में बैठे रहे। जब कोश्यारी ने पाइलट से उड़ान नहीं भरने का कारण पूछा, तो पायलट ने ये बताया ,कि राज्य सरकार से उन्हें अभी तक उड़ान भरने की परमिशन नहीं मिली है। जिसके बाद राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी चार्टेड प्लेन से उतर गये।

रोना विल्सन बोले- मेरा लैपटॉप हैक किया गया था, लगाई बॉम्बे हाइकोर्ट में मामला खारिज करने की अर्जी

मुंबईः साल 2018 के भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में आरोपी रोना विल्सन के वकील सुदीप पासबोला बॉम्बे हाईकोर्टमें मामले को खारिज करने के लिए याचिका दायर की है। इस मामले में पास बुलाने मुंबई हाई कोर्ट के समक्ष फॉरेंसिक डिजिटल फॉरेंसिक रिपोर्ट भी रखी है। जिसमें बताया गया है कि रोना विलसन के लैपटॉप को एक हैकर ने हैक किया था। हैकर ने रोना की गिरफ्तारी के पहले दस अक्षर प्लांट किये थे। इन अक्षरों का इस्तेमाल पहले पुणे पुलिस और बाद में एनआईए द्वारा एक सबूत के रूप में किया गया था।

पुणे पुलिस ने की थी कार्रवाई

पुणे पुलिस ने शुरूआती जांच में अदालत को बताया था कि इन अक्षरों को डिकोड करके यह पता चलता है कि आरोपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या के लिए साजिश रच रहा था। इस मामले में पासबोला ने आर्सेनल डिजिटल से मुवक्किल के लैपटॉप की इलेक्ट्रॉनिक कॉपी का परीक्षण करने के लिए कहा था। अर्बन नक्सल के खिलाफ पर्याप्त सबूत पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विल्सन मामले पर कहा है कि उन्हें इस मामले में बहुत ज्यादा तो नहीं पता है लेकिन हां अर्बन नक्सलियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं।

नाना पटोले के कार्यक्रम में चोरों की बल्ले बल्ले, कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के मोबाइल और पर्स गायब

मुंबईः महाराष्ट्र कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले आज नागपुर दौरे पर हैं। नागपुर में उनका कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया है। तकरीबन एक महीने की खींचतान के बाद कांग्रेस आलाकमान ने पटोले के कंधों पर महाराष्ट्र की जिम्मेदारी सौंपी है। पटोले ने भी कहा है कि वे राज्य में कांग्रेस को पहले नंबर की पार्टी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। एक तरफ जहां कांग्रेस के कार्यकर्ता नाना पटोले के स्वागत में जुटे थे। ढोल नगाड़े के साथ जनता का हुजूम मौजूद था। उसी बीच में चोरों ने भी अपनी दस्तक दी थी। पटोले के स्वागत समारोह की भीड़ में कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के मोबाइल और पर्स गायब होने की भी खबर है। अक्सर चोर ऐसे भीड़-भाड़ वाले मौकों की तलाश में रहते हैं। जहां वे आसानी से लोगों को अपना शिकार बना सकें। नाना पटोले जब नागपुर पहुंचे तब उनका स्वागत ढोल नगाड़े के साथ किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने कोरोना महामारी में सबसे कारगर उपाय सोशल डिस्टेंसिंग की खुलकर धज्जियां उड़ाईं। लोगों ने कोरोना के सभी नियमों को ताक पर रख दिया और अपने नेता के स्वागत-सत्कार में जुटे रहे। आक्रामक छवि के नेता नाना पटोले की किसानों और ओबीसी समाज में पार्टी का कितना जनाधार बढ़ा पाएंगे यह तो भविष्य के गर्भ में है।

रिश्वतखोर क्लर्क चढ़ा एंटी करप्शन के हत्थे

नालासोपारा : ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने 29 जनवरी को देर शाम को नालासोपारा पूर्व इलाके में जाल बिछकार वसई-विरार शहर महानगरपालिका के एक कर्मचारी को हजारों रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों धर दबोचा है। जिसके खिलाफ तुलिंज पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस घटना मनपा अधिकारी व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार,39 वर्षीय शिकायतकर्ता सहित सात रूम (चाल) में घरपट्टी लगाने की एवज में घरपट्टी विभाग,महानगरपालिका प्रभाग समिती "डी" आचोले में तैनात क्लर्क नंदकुमार कमलाकर कोली (43) ने 35000 रुपये (प्रत्येक रूम 5000 रुपये) की रिश्वत मांग रहा था, जिसकी शिकायत व्यक्ति ने ठाणे एंटी करप्शन से की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार 29 जनवरी शाम लगभग 6 ;30 बजे के आसपास आचोले रोड स्थित जाल बिछकार आरोपी क्लर्क को 15000 की रिश्वत लेते धर दबोच लिया। गिरफ्तार क्लर्क के खिलाफ तुलिंज पुलिस थाने में भ्रष्टाचार अधिनियम कलम 7 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आगे की जांच ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो कर रही है।

लोहे की सलिया से युवक पर हमला,दो लोगो पर मामला दर्ज

नालासोपारा : तुलिंज पुलिस थानांतर्गत एक 30 वर्षीय व्यक्ति पर लोहे की सलिया से हमला करने की घटना सुर्खियों में आई है। पुलिस ने इस मामले में 2 लोगो पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच पड़ताल में जुटी है।मिली जानकारी के अनुसार, शैलेश यादव (30),गोल्डन ट्रेड सेंटर,नालासोपारा पूर्व शॉप नं.80 में रहता है। यादव पेशे से कड़िया का काम करता है।बताया गया है कि,29 जनवरी को दोपहर लगभग 3 ;30 बजे के आसपास मामूली वाद -विवाद के चलते आमन व अमित द्वारा लोहे की सलिया से शैलेश के ऊपर हमला बोल दिया। इस हमले में शैलेश के शरीर के कई हिस्सों चोट लगने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन-फानन ने शैलेश को स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जिसके बाद पुलिस ने शैलेश की शिकायत व बयान के आधार पर आरोपी आमन व अमित के ऊपर कलम 326 व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुट गई है।

अवैध रेती पर विरार पुलिस की कार्रवाई 41 लाख से अधिक माल सहित 4 लोगो पर मामला दर्ज

विरार : विरार पुलिस ने अवैध रेती मामले में कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो वाहन,रेती सहित 4 लोगो पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने 41 लाख से अधिक माल जप्त की है। मिली जानकारी के अनुसार,विरार पुलिस ने 3 फरवरी को मौजे पारोल गांव नाका स्थित से डंफर क्र.एमएच 05 -डी. के 8329 व डंफर क्र. एमएच 04 -जे.के 3388 गाड़ी से अवैध रेती जप्त की है। पुलिस ने बताया कि,गौणखनिज रेती माल भरके व शासन द्वारा किसी भी प्रकार का परमिशन न होते हुए भी रेती चोरी कर परिवहन करते मिले। गाड़ी से 12 ब्रास अवैध रेती (कीमत - 1,18,800 रुपये) का माल जप्त की गई है। इस मामले में आरोपी चालक राहुल रमेश मानकर,मोटर डंफर क्र.क्र.एमएच 05 -डी.के 8329 के मालिक,चालक मारुति सखाराम देवारे व मोटर डंफर डंफर क्र. एमएच 04 -जे.के 3388 के मालिक के ऊपर कलम 379,34 के तहत केस दर्ज किया गया है। उक्त कार्रवाई पुलिस में कुलमिलाकर

41,18,800 रुपये का माल बरामद किया है। आगे की तहकीकात पुलिस कर रही है।

शिकंजा : 2 लाख से अधिक बिजली चोरी का मामला दर्ज

विरार : महावितरण कंपनी के अधिकारी ने एक शख्स पर लाखों रुपये बिजली चोरी का मामला विरार पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाया है। जिसकी तहकीकात पुलिस द्वारा किया जा रहा है।मिली जानकारी के अनुसार,विरार पूर्व के मनवेलपाडा,गंगा अपार्टमेंट में दुकान नं.05 में नरेन्द्र रामचंद्र पाटील नामक शख्स ने महाराष्ट्र राज्य विधुत वितरण कंपनी का 21 महीने की अवधि में 2 लाख 55 हजार 370 रुपये की 14 हजार 739 यूनिट बिजली चोरी किया। इस मामले में महावितरण कंपनी के अधिकारी गणेश केशवराव साखरे (33) द्वारा विरार पुलिस थाने में नरेन्द्र रामचंद्र पाटील के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट के बाद व्यक्ति से लूटपाट,4 लोगों पर मामला दर्ज

वसई : तुलिंज पुलिस थाने के पूर्व क्षेत्र में एक 34 वर्षीय व्यक्ति के साथ मारपीट के बाद मोबाईल सहित हजारों रुपये नकदी की लूटपाट होने की घटना घटी है। पुलिस ने इस मामले में 4 लोगो पर मामला दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार,रमेश रामलाल राजभर (34),सन्तोष तपाडा,नालासोपारा पूर्व इलाके में रहता है। बताया गया है कि,31 जनवरी को संतोष भुवन,बावशेतपाडा

स्थित रमेश बैठा था,तभी परशु वरठा, हरशा वरठा,दीपक वरठा व भावेश किणी ने रमेश से कहा कि,तुम यहाँ कैसे बैठे,बस इसी बात को लेकर उक्त चारो ने गाली-गलौज,धमकी व मारपीट शुरू कर दिया। इस बीच रमेश के पेंट से 25,000 रुपये नकदी व मोबाईल जबरन छीन लिए। उक्त घटना की शिकायत रमेश ने तुलिंज पुलिस थाने में की।पुलिस ने बताया कि,रमेश की शिकायत के आधार पर आरोपी परशु वरठा, हरशा वरठा,दीपक वरठा व भावेश किणी के ऊपर कलम 392,323 व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात शुरू कर दी है।

संपादकीय

मनमानी के खिलाफ

भारत सरकार के निर्देश के बावजूद किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मनमानी या बहानेबाजी चिंता और विचार की बात है। सरकार और ट्विटर के बीच फिर एक बार ठन गई है। 26 जनवरी को लाल किले और दिल्ली में हिंसा के खिलाफ कदम उठाते हुए भारत सरकार ने सैकड़ों ट्विटर हैंडल पर रोक लगाने का निर्देश दिया था, पर ट्विटर ने निर्देश की पूरी पालना से इनकार कर दिया है। ट्विटर के अनुसार, ये विवादित ट्विटर हैंडल भारत में नहीं, पर दुनिया के दूसरे देशों में यथावत देखे जाएंगे। सरकार चाहती थी कि जिन ट्विटर हैंडल का उपयोग हिंसा भड़काने के लिए किया गया है, उन्हें पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाए। ट्विटर ने भारत सरकार के कानून का ही हवाला देते हुए ऐसे प्रतिबंध लगाने से मना कर दिया है। इतना ही नहीं, उसने अपने ब्लॉग पर भारत सरकार को अभिव्यक्ति की आजादी का पाठ भी पढ़ा दिया है। ट्विटर की यह मनमानी किसी अन्य ताकतवर देश में शायद ही संभव है। उसके अधिकारियों की सरकार से वार्ता होनी थी, पर उसके पहले ही अपने विचार पेश करके उसने आग में घी डालने का काम किया है।

भारत सरकार ने ट्विटर की सफाई या बहानेबाजी पर उचित ही नाराजगी का इजहार किया है। सवाल यह है कि ट्विटर ज्यादा सशक्त है या भारत सरकार? क्या ट्विटर सरकार के आदेश-निर्देश से ऊपर है? सरकार आने वाले दिनों में कदम उठा सकती है, जिससे ट्विटर की परेशानी बढेगी। गौर करने की बात है कि भारत सरकार के मंत्री ने हयकूह्न नामक भारत निर्मित एप पर ट्विटर को शुरूआती जवाब दिया है। अनेक मंत्री और मंत्रालय भी कू के प्लेटफॉर्म पर जाने लगे हैं। मतलब साफ है, ट्विटर से भारत सरकार की निराशा का दौर आगे बढ़ चला है। यह किसी भी सोशल प्लेटफॉर्म की मनमानी रोकने का एक तरीका हो सकता है, पर ट्विटर की भारत में जो पहुंच है, उसे जल्दी सीमित करना आसान नहीं होगा। दूसरी ओर, ट्विटर को बेहतर जवाब के साथ अपना बचाव करना चाहिए। भारत एक बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बड़ा बाजार भी है। यहां सोशल प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनियों को ज्यादा संवेदनशील रहने की जरूरत है। कहीं ऐसा न हो कि ये कंपनियां भारत सरकार के आदेशों को ही मानने से इनकार करने लगें। जो ट्विटर हैंडल दिल्ली में हिंसा भड़काने में लगे थे, उनके खिलाफ कुछ कार्रवाई की गई, पर कुछ घंटों के बाद कई हैंडल बहाल कर दिए गए। केंद्र सरकार ने ट्विटर से कार्रवाई करने को फिर कहा, बल्कि उसके खिलाफ दंडात्मक उपायों की चेतावनी भी दी। इसके बावजूद अगर ट्विटर के पास कोई ठोस तर्क है, तो उसे सरकार के साथ बैठकर विवाद को सुलझाना चाहिए। लेकिन अपना जवाब ब्लॉग के जरिए देकर ट्विटर ने विवाद को बढ़ा दिया है।

सुधरते हालात, लेकिन चिंता

"अपने यहां तो केरल में आज भी यह तेजी से लोगों को बीमार कर रहा है। लिहाजा, कोरोना वायरस का यह चरित्र आगे भी बना रहेगा। हां, एक बड़ी आबादी के इसके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता हासिल कर लेने से हम कहीं बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे हालात में टीके से स्वाभाविक तौर पर उम्मीद बन जाती है।

देश में कोविड-19 का प्रसार क्या थमता दिख रहा है? तथ्य बताते हैं कि हर दिन नए मामले अब 10 हजार से भी कम हो गए हैं। बीते सात दिनों का रोजाना का औसत 12 हजार से नीचे आ चुका है। इतना ही नहीं, पिछले दस दिनों से हर रोज कोरोना की जंग हारने वाले मरीजों की संख्या भी 150 से नीचे लाने में हम सफल हुए हैं। कल सरकार की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछले 24 घंटे में 15 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों में कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है, जिससे लगता है कि यह वायरस अब कमजोर पड़ने लगा है। ये आंकडे. निस्संदेह सुकूनदेह हैं, मगर इनसे यह भ्रम नहीं पाल लेना चाहिए कि कोरोना महामारी बहुत जल्द अतीत बन सकती है। विशेषकर सांस संबंधी संक्रमण के बारे में यही कहा जाता है कि नए मामलों के सामने न आने के बावजूद कुछ वक्त तक बीमारी बनी रहती है। लिहाजा, हमें हरसंभव सावधानी बरतनी ही होगी। घर से बाहर निकलते वक्त मास्क पहनना, दो गज की शारीरिक दूरी का पालन करना व नियमित तौर पर साबुन से हाथ धोना या सैनिटाइजर का इस्तेमाल आवश्यक है। इसके साथ ही, ट्रेसिंग (संक्रमित के संपर्क में आए तमाम लोगों की पहचान) पर भी हमें लगातार ध्यान देना होगा। कुछ देशों में यह भी दिखा है कि वायरस के म्यूटेट (रूप में बदलाव) हो जाने से संक्रमण में अचानक तेज वृद्धि हुई है। अपने यहां भी यह खतरा बना हुआ है। चूंकि हरेक वायरस का यह नैसर्गिक गुण होता है कि वह अनुकूल माहौल मिलने पर म्यूटेट हो सकता है, इसलिए भारत में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन दूसरे देशों से ही नहीं आ सकता, बल्कि यहां पर पैदा भी हो सकता है। यही कारण है कि वायरस की जेनेटिक जांच, यानी उत्पत्ति संबंधी पड़ताल आवश्यक है, जिससे पता चलता है कि वायरस अगर अपना चरित्र बदल रहा है, तो वह कितना खतरनाक है। अच्छी बात है कि इस जांच में भारत को महारत हासिल है।

कोविड-19 के खिलाफ हमारी सफलता अब भी दूर है। जरूरत को देखते हुए आर्थिक गतिविधियां भले ही बढ़ाई जा चुकी हैं और बाजार में भीड़ भी दिखने लगी है, मगर एक सच यह भी है कि बिहार विधानसभा चुनाव अभियान का कोई खास नकारात्मक असर नहीं दिखा था, जबकि मतदान उस समय हुए थे, जब देश संक्रमण के शीर्ष पर था। सामान्य तौर पर यही दिखा है कि एशियाई देशों, खासकर दक्षिण एशियाई मुल्कों में न सिर्फ कोविड-19 संक्रमण का प्रसार तुलनात्मक रूप से धीमा रहा, बल्कि मौत भी कम हुई है। इसकी एक वजह यह बताई जा रही है कि एशियाई नागरिकों के शरीर में एक खास प्रोटीन पाया जाता है, जो कोरोना के कुछ रूप के खिलाफ खासा प्रतिरोधक साबित हुआ है। अगर यह निष्कर्ष वैज्ञानिकता की कसौटी पर खरा उतरा, तो इसमें हम अपने लिए उम्मीद देख सकते हैं। हालांकि, मानव शरीर में कोरोना वायरस के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने वाले सीरो सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि देश की एक बड़ी शहरी आबादी इस रोग से सफलतापूर्वक लड़ चुकी है। इसीलिए आगे की हमारी रणनीति इन दो सवालों के आसपास बनेगी कि क्या कोई नया स्ट्रेन हमारे देश में दस्तक दे चुका है? अगर हां, तो यह कितना घातक है या संक्रमण की इसकी क्षमता क्या है? और दूसरा सवाल, अभी हमने जो प्रतिरोधक क्षमता हासिल कर ली है, उस पर वायरस का नया रूप कितना असरदार होगा? बात यदि शहरों की हो, तो यह नहीं मानना चाहिए कि ग्रामीण भारत को नजरअंदाज किया गया है। सीरो सर्वे से यह आशंका जताई जा सकती है कि ग्रामीण इलाकों में खतरा बना हुआ है, लेकिन यदि शहरों में ही संक्रमण को थाम लिया जाएगा, तो गांवों के लिए यह डर गलत साबित होगा। मगर हमारी यह उम्मीद भी तभी तक जिंदा रहेगी, जब तक कि इस वायरस से बचाव के लिए सरकार द्वारा तय तमाम दिशा-निर्देशों का हम संजीदगी से पालन करते हैं। इसीलिए अब देशव्यापी लॉकडाउन के आसार कम नजर आते हैं। हां, किसी आपात स्थिति में इसकी जरूरत पड़ सकती है। फिर भी, आने वाले दिनों में अब छोटे-छोटे क्षेत्रों को कंटेनमेंट जोन घोषित करके ही महामारी का मुकाबला किया जाएगा। इन दिनों कई जगहों से ऐसी तस्वीरें भी आ रही हैं कि स्थानीय प्रशासन खुद सरकारी दिशा-निदेशों का पालन कराने को उत्सुक नहीं है, जबकि शुरूआती दिनों में इसके लिए पुलिस ने लाठियां तक पटकी थीं। इससे राजनीतिक जलसे या धार्मिक उत्सव जैसे बड़े आयोजन खतरे को न्योता दे सकते हैं। स्थानीय प्रशासन को पेशेवर रुख अपनाना पड़ेगा। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जरूरी सावधानियों का हरसंभव पालन किया जाए। अभी कुंभ स्नान के लिए भी मेला पास जारी करने की तैयारी चल रही है, जो एक अच्छी रणनीति है। इसी तरह, सार्स या मर्स की तरह कोविड-19 बीमारी के अचानक खत्म होने के दावे को भी सही नहीं माना जा सकता। अलग-अलग राष्ट्रों में इस वायरस का अलग-अलग पैटर्न दिखा है। यहां तक कि हमारे देश के अंदर ही अलग-अलग हिस्सों में इसके कई रूप मिले हैं। अपने यहां तो केरल में आज भी यह तेजी से लोगों को बीमार कर रहा है। लिहाजा, कोरोना वायरस का यह चरित्र आगे भी बना रहेगा। हां, एक बड़ी आबादी के इसके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता हासिल कर लेने से हम कहीं बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे हालात में टीके से स्वाभाविक तौर पर उम्मीद बन जाती है। अभी जो निर्धारित किया गया है, उसके मुताबिक अग्रिम मोर्चे के तमाम कर्मियों के अलावा 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को टीका लगाया जाएगा। हम सबसे तेज गति से टीकाकरण करने वाले देश हैं और पिछले 24 दिनों में ही करीब 58 लाख लोगों को टीका लगाया जा चुका है। फिर भी, प्राथमिकता सूची वाले वर्ग का टीकाकरण जून-जुलाई तक संभव है। इसके बाद विशेषज्ञ समूह तय करेगा कि किनको टीका लगाया जाएगा

घर-संसार

एक बेहतर साधना काल है गुप्त नवरात्र

गुप्त नवरात्र हिंदू धर्म में उसी प्रकार मान्य हैं, जिस प्रकार शारदीय और चैत्र नवरात्र। आषाढ़ और माघ माह के नवरात्रों को गुप्त नवरात्र कह कर पुकारा जाता है। बहुत कम लोगों को ही इसके ज्ञान या छिपे हुए होने के कारण इसे गुप्त नवरात्र कहा जाता है। गुप्त नवरात्र मनाने और इनकी साधना का विधान देवी भागवत व अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। श्रृंगी ऋषि ने गुप्त नवरात्रों के महत्त्व को बतलाते हुए कहा है कि जिस प्रकार वासंतिक नवरात्र में भगवान विष्णु की पूजा और शारदीय नवरात्र में देवी शक्ति की नौ देवियों की पूजा की प्रधानता रहती है, उसी प्रकार गुप्त नवरात्र दस महाविद्याओं के होते हैं। यदि कोई इन महाविद्याओं के रूप में शक्ति की उपासना करे तो जीवन धन-धान्य, राज्य सत्ता और ऐश्वर्य से भर जाता है।

सामान्यतः लोग वर्ष में पड़ने वाले केवल दो नवरात्रों के बारे में ही जानते हैं, जबकि इसके अतिरिक्त दो और नवरात्र भी होते हैं, जिनमें विशेष कामनाओं की सिद्धि की जाती है। कम लोगों को इसका ज्ञान होने के कारण या इसके छिपे हुए होने के कारण ही इसको गुप्त नवरात्र कहते हैं। वर्ष में दो बार गुप्त नवरात्र आते हैं। माघ मास के शुक्ल पक्ष व आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में। इस प्रकार कुल मिला कर वर्ष में चार नवरात्र होते हैं। यह चारों ही नवरात्र ऋतु परिवर्तन के समय मनाए जाते हैं। इस विशेष अवसर पर अपनी विभिन्न मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूजा-पाठ आदि किए जाते हैं। वे कन्याएं जिनके विवाह में बाधा आ रही हो, उनके लिए गुप्त नवरात्र बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। कन्याओं को अच्छे वर की प्राप्ति के लिए इन नौ दिनों में माता कात्यायनी की पूजा-उपासना करनी चाहिए। दुर्गास्तवनम् जैसे प्रामाणिक प्राचीन ग्रंथों में लिखा है कि इस मंत्र का 108 बार जप करने से कन्या का विवाह शीघ्र ही योग्य वर से संपन्न हो जाता है। गुप्त नवरात्रों का बड़ा ही महत्त्व बताया गया है। मानव के समस्त रोग-दोष व कष्टों के निवारण के लिए गुप्त नवरात्र से बढ़कर कोई साधना काल नहीं हैं। श्री, वर्चस्व, आयु, आरोग्य और धन प्राप्ति के साथ ही शत्रु संहार के लिए गुप्त नवरात्र में अनेक प्रकार के अनुष्ठान व व्रत-उपवास के विधान शास्त्रों में मिलते हैं। इन अनुष्ठानों के प्रभाव से मानव को सहज ही सुख व अक्षय ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

राम मंदिर निर्माण के लिए खुलकर मिल रहा सहयोग, जानिए अब तक कितनी आई दान की राशि

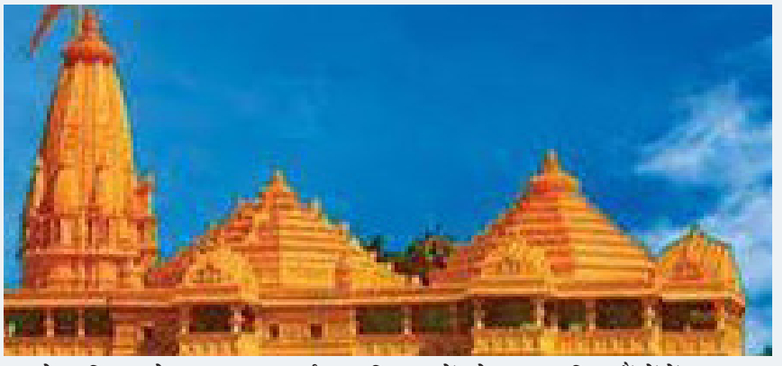

अयोध्या। रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के मंदिर निर्माण को लेकर संघ व विहिप के सहयोग से रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से चलाए जा रहे निधि समर्पण अभियान में अब तक एक हजार करोड़ रुपए से अधिक खाते में आ चुके हैं। दिल्ली प्रवास से वापस लौटे रामजन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से ने पत्रकारों की ओर से पूछे गये सवाल पर एकत्र राशि के बारे में एक अनुमान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी तक चलने वाले अभियान के समापन के पहले यह बता पाना खासा कठिन है कि कुल कितनी राशि जमा हुई। ट्रस्ट महासचिव ने कहा कि निधि समर्पण अभियान में डेढ़ लाख टोलियां कार्यरत हैं। इन टोलियों में 37 हजार डिपाजिटर हैं जो टोलियों की ओर से एकत्र राशि व चेक सम्बन्धित बैंकों में जमा करा रहे हैं। वहीं एसबीआई, बैंक आफ बड़ौदा व पीएनबी से जुड़े देश भर के 46 हजार बैंकों की सभी शाखाएं पूरी तरह से तकनीकी तौर पर अपडेट नहीं। कई शाखाओं में बैंककर्मी ही शहरों की टोलियों से राशियों व चेक को रिसीव कर रहे हैं। ऐसे में चेक को क्लीयरिंग में लगाना है और उनका हिसाब पूरा करने में स्वाभाविक रूप से समय लगेगा।

इस स्थिति में खाते में कुल जमा राशि की सही जानकारी मिलना संभव नहीं है। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चंदाजीवी के बयान पर प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए कहा कि भगवान उन्हें सदबुद्धि दे। पांच मीटर से अधिक हो चुकी है राम मंदिर के नींव की खुदाई

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि गर्भगृह स्थल पर शुरू हुई मंदिर के नींव की खुदाई अब तक करीब पांच मीटर से अधिक हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस स्थान पर भूमि पूजन किया था, उस लेवल से करीब 16 फिट गहराई में मलबा निकाला जा चुका है।

बीमारी से परेशान होकर अधेड़ ने ब्लेड से फाड़ लिया अपना पेट, मौत

बरेली। यूपी के बरेली से झकझोर कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां गरीबी और बीमारी से जूझ रहे अधेड़ ने ब्लेड से अपना पेट फाड़ डाला। उसकी आंतें व अन्य अंग बाहर निकल आए। हड़बड़ाहट में बेटा दौड़कर थाने पहुंचा। पुलिस बयान लेने में उलझी रही और अस्पताल ले जाने में देरी हो गई। इसके बाद जब अस्पताल लेकर चले तो रास्ते में उसकी मौत हो गई। घर में कोहराम मचा है। फतेहगंज पूर्वी थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत बिलपुर की नई कॉलोनी निवासी राजाराम पिछले 26 साल से किराए पर रहता था। राजाराम मूल निवासी गांव ईशुरा थाना तिलहर (शाहजहांपुर) का था। सोमवार तड़के बेटा सो रहा था तभी राजाराम 52 ने शेविंग के ब्लेड से अपना पेट फाड़ डाला। बेटा अनिल पिता की चीख सुनकर जागा। देखा तो संभाला तो बेहोश हो गया। शोर सुनकर मोहल्ले के तमाम लोग पहुंच गए। लोग तरह-तरह की बातें कर रहे थे तो हड़बड़ी में बेटा भागता हुआ पहले थाने गया। पुलिस काफी देर में मौके पर पहुंची और मृतक के बयान दर्ज किए। बाद में बरेली अस्पताल भेजा गया। रास्ते में ही राजाराम की मौत हो गई। राजाराम ने मरने से पहले पुलिस को बताया कि वह काफी समय से गरीबी और बीमारी के हालात झेल रहा था। राजाराम का एक बेटा कई साल से उसे छोड़कर चला गया और दूसरे प्रदेश में मजदूरी करता है। दूसरे बेटे अनिल ने बताया कि पिताजी का बहुत इलाज कराया, घर की सारी पूंजी खर्च हो गई। सुबह पिता ने बीमारी और गरीबी के चलते अपना पेट फाड़ डाला। राजाराम करीब 26 साल से नई कॉलोनी में किराए पर रहता था। पहले उसका मकान इसी मोहल्ले में था कर्ज और बीमारी में वह बिक गया। राजाराम के मूल गांव में भी कुछ जमीन भी बताई जा रही है। शाम मृतक का शव घर पहुंचा तो मोहल्ले में चीख-पुकार मच गई। घर में कोहराम मचा है।

बच्ची को बचाने में पलटी कार तीन की मौत, पांच घायल

तालबेहटः यूपी जिले के ललितपुर जिले की तहसील तालबेहट क्षेत्र के जखौरा राजघाट मार्ग पर एक बच्ची को बचाने के प्रयास में चार पहिया वाहन पलट गया। हादसे में तीन की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं, पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एमपी स्थित चंदेरी के शकरपारा निवासी दयाराम पुत्री की सगाई के लिए परिवार के साथ कार से जखौरा क्षेत्र के सीरोंज जा रहे थे। रास्ते में अचानक एक बच्ची सामने आने से चालक नियंत्रण खो बैठा और असंतुलित होकर कार गहरी खाई में पलट गई।

राहगीरों ने पुलिस व एंबुलेंस को सूचना देते हुए वाहन के भीतर फंसे लोगों को किसी तरह बाहर निकाला। इस बीच छत्रसाल, दयाराम की मौके पर ही मौत हो गई थी। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। यहां उपचार के दौरान लखन (60) ने भी दम तोड़ दिया। इसके अलावा रामस्वरूप, रामसेवक, बैजनाथ, गजराज और चांदनी (8) पुत्री मुकेश घायल हो गए।

70 फीट गहरे कुएं में 72 घंटों तक मौत से लड़कर यूं निकला मासूम

कांस्टेबल के साहस को हर कोई कर रहा सलाम

फिरोजाबाद : यह कहावत एक बार फिर सही साबित हुई है। 70 फीट गहरे अंधे कुएं में 72 घंटे यानी तीन दिनों तक रोता-बिलखता, चीखता-चिल्लाता रहा मासूम अंततः मौत को हराकर बाहर आ गया है। भूख-प्यास से बेहाल नौ साल के मासूम रोहित को बचाने में अपनी जान की बाजी लगाने वाले कांस्टेबल के साहस की हर कोई तारीफ कर रहा है। एसपी की तरफ से कांस्टेबल को 11 हजार रुपये का इनाम भी दिया गया है।

चुल्हावली निवासी बीमा एजेंट विजयकुमार का पहली कक्षा में पढ़ने वाला बेटा रोहित सात फरवरी को घर से अचानक गायब हो गया था। परिजनों के साथ पुलिस ने सभी संभावित स्थानों पर तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। इसी बीच 10 फरवरी को सुबह नौ बजे गांव के कुएं के नजदीक से गुजर रहे वनकर्मी राजेश को अंदर से किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी।

वनकर्मी की सूचना पर ग्रामीण और पुलिस तत्काल पहुंच गई। 70 फीट गहरे अंधेरे कुएं में कोई उतरने को तैयार नहीं हुआ। तब टूंडला थाने के कांस्टेबल शिवकुमार गौतम ने बिना वक्त गंवाए रस्सी के सहारे कुएं में उतर गए। उस वक्त बच्चा बेसुध हो गया था लेकिन सांसें चल रही थीं। कांस्टेबल ने बच्चे को रस्सी के बांधा और अपने साथ लेकर ऊपर चला आया। बच्चे को तत्काल अस्पताल भेजा गया। अब वह खतरे से बाहर लेकिन सदमे में है।

एक बार फिर वर्दी बनी मददगार, थाना टूण्डला में तैनात आरक्षी शिवकुमार गौतम ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए 70 फीट गहरे कुएँ में उतरकर गुमशुदा हुए 09 वर्षीय बच्चे रोहित को सकुशल निकाला बाहर । आमजन द्वारा जमकर की गयी प्रशंसा । स्रूपुलिस के मुताबिक, जिस कुएं से रोहित को निकाला गया वह गांव से लगभग तीन किलोमीटर दूर है। ऐसी आशंका है कि गांव के ही किसी युवक ने रोहित को कुएं में फेंका है।

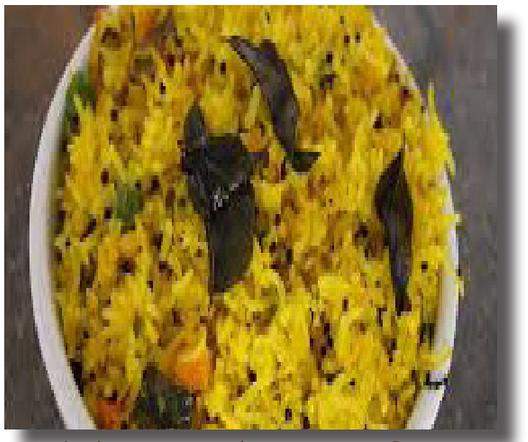

वैलेंटाइंस डे पर पार्टनर के लिए बनाएं बंगाल की स्पेशल डिश मिष्टी पुलाव

विविध संस्कृति के लिए दुनिया भर में मशहूर जायकों की भी एक अलग ही बात है। यहां आपको हर राज्य, समुदाय की एक खास डिश मिल जाएगी। आज हम आपके लिए लाए हैं बंगाल की स्पेशल डिश मिष्टी पुलाव। वैलेंटाइंस डे के लिए यह बिल्कुल परफेक्ट रेसिपी है-

सामग्री

2 कप बासमती चावल
2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
3 बड़ा चम्मच चीनी
4 लौंग
4 इलायची
1 तेजपत्ता
2 बड़ा चम्मच काजू
2 बड़ा चम्मच किशमिश
1 बड़ा चम्मच घी
4 कप पानी
स्वादानुसार नमक

विधि

1. मिष्टी पुलाव बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में चावल को पानी में 30 मिनट के लिए भिगो दें। 2. इसके बाद पानी निथारें और चावल को एक तरफ रख दें। 3. अब मध्यम आंच में एक पैन में घी डालकर लौंग, हरी इलायची और तेजपत्ता डालें।

बालों में तेल लगाते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, पछताना पड़ेगा

झड़ते बाल, डैंड्रफ और बालों के असमय सफेद होने जैसी समस्याओं से आज हर दूसरा व्यक्ति बेहद परेशान है। काले लंबे बालों का सपना पूरा करने के लिए अच्छी डाइट के साथ-साथ बालों की अच्छी तरह देखरेख भी जरूरी है। लेकिन कई बार जाने- अनजाने व्यक्ति कुछ ऐसी गलतियां कर बैठता है जो उसे फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचा देती है। ऐसी ही कई गलतियां हैं जो ज्यादातर लोग बालों में तेल डालते समय करते हैं। आइए जानते हैं आखिर कौन सी हैं वो गलतियां जो बालों में तेल डालते समय व्यक्ति करता है और कैसे इन्हें सुधारा जा सकता है।

बालों को पोषण देने के लिए सिर पर तेल लगाना बहुत आवश्यक है लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप हर समय बालों में तेल लगा रहने दें। सिर पर ज्यादा तेल लगाने से सिर की त्वचा के छिद्र बंद हो जाते हैं। यही वजह है कि हमेशा सिर की त्वचा पर तेल लगाने की जगह बालों पर तेल लगाने की सलाह दी जाती है। बिना कंघी किए बालों में तेल नहीं लगाना चाहिए। जिन महिलाओं के बाल अधिक टूटते-झड़ते हैं, उन्हें तेल लगाने से पहले चौड़े दांतों वाली कंघी से एक बार अपने बाल जरुर सुलझा लेने चाहिए। ऐसा करने से तेल लगाने के बाद आपके बाल उलझकर टूटेंगे नहीं।हल्के हाथों से करें मालिश-

बाल टूटने की सबसे बड़ी वजह बालों की जड़ों का कमजोर होना होती है। कभी भी जोर लगाकर सिर में मालिश नहीं करनी चाहिए, इससे बाल और कमजोर होते हैं। जिन लोगों के बाल अधिक झड़ते हैं वह रुई के मदद से बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट कर ही अपने बालों में तेल लगाएं।सिर पर मालिश करने के लिए ठंडा तेल नहीं बल्कि तेल को हमेशा गुनगुना गर्म करके ही लगाना चाहिए। ऐसा करने से तेल बालों की जड़ों में अच्छी तरह चला जाता है। तेल हमेशा रात को लगाकर सोएं और सुबह अपने बाल धो लें।बालों को टाइट न बांधे- तेल लगाने के बाद कभी भी बालों को टाइट बांधने की गलती ना करें। इससे आपके बाल कमजोर हो सकते हैं। रात की सोते वक्त भी हल्की सी चोटी बांधकर सोना चाहिए। 10 मिनट तक करें मसाज- तेल को सिर्फ जड़ों पर लगाकर यूं ही नहीं छोड़ देना चाहिए। 5 से 10 मिनट तक हल्की मसाज ब्लड सकुर्लेशन बढ़ाने में मदद करती है। जिससे बालों का अच्छे से पोषण मिलता है।

इन संकेतों से समझें कमजोर हो रहा है लिवर, जानें हेल्दी रखने के टिप्स

हम कितना कुछ ऐसा खाते हैं, जिससे हमारा लिवर धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है। लिवर का खराब होना अचानक नहीं होता बल्कि इससे जुड़ीं परेशानियों के संकेत हमें मिलते रहते हैं। लिवर शरीर का वर्कहाउस है। यह भोजन में मौजूद वसा और काबोर्हाइड्रेट को सुपाच्य बनाता है। यह नेचुरल फिल्टर है, जो विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। शरीर के लिए उपयोगी प्रोटीन यहां बनता है और पाचन के लिए उपयोगी पित्त का स्राव भी लिवर में ही होता है। त्वचा, नाखून और आंखों का पीलापन। ऐसा पित्त की अधिकता के कारण होता है, जिस कारण पेशाब में भी पीलापन नजर आता है।

लिवर में खराबी होने पर बाइल (पित्त) एंजाइम मुंह तक आ जाता है, जिससे मुंह कड़वा रहने लगता है।

हर समय घबराहट व उल्टी की शिकायत रहती है। ऐसा शरीर में बनने वाले पित्त के कारण होता है।

पेट में सूजन व हर समय भारीपन का एहसास होना।

हर समय आलस महसूस होना, किसी काम में मन न लगना और हर समय नींद आना। हर समय असमंजस में रहना, चीजों को भूलना।

लिवर को बचाने के लिए अपनाएं टिप्स नमक केवल उच्च रक्तचाप का कारण नहीं होता। यह लिवर को भी हानि पहुंचाता है एक शोध में पाया गया है कि जिनके शरीर का निचला हिस्सा भारी होता है, वे आमतौर पर नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज से पीड़ित होते हैं। देर तक एक ही जगह बैठे रहने की वजह से नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर का खतरा बढ़ जाता है। हमारे शरीर की बनावट ऐसी है कि उसे स्वस्थ रखने के लिए सक्रिय रहना जरूरी है। अगर मूवमेंट्स कम हैं, तो लिवर की सेहत बिगड़ने लगती है। बहुत ज्यादा नमक और चीनी का सेवन न करें।

35 साल की उम्र के बाद एक बार लिवर फंक्शन टेस्ट करा लेना चाहिए। लिवर में एलानाइन और एसपारटेट एंजाइम्स का बढ़ा सीरम स्तर लिवर गड़बड़ी का संकेत देता है।

प्रियंका चोपड़ा को फिल्म डायरेक्टर ने दी थी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की सलाह? एक्ट्रेस ने बताई पूरी कहानी

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय कर चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपने बेबाक अंदाज के लिए भी पहचानी जाती हैं। इन दिनों प्रियंका अपने आने वाले संस्मरण अनफिनिश्ड को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं, जिसमें वो अपनी जिंदगी से जुड़े कई दिलचस्प किस्सों का खुलासा करने वाली हैं। प्रियंका अपने इस संस्मरण में बयान कुछ किस्से सोशल मीडिया पर भी साझा कर चुकी हैं। वहीं अब मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि इस किताब में प्रियंका ने बयान किया है कि किस तरह एक फिल्म डायरेक्टर ने उन्हें प्लास्टिक सर्जरी करवाने का सुझाव दे डाला था। प्रियंका ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान इस पर बात भी की है।

संस्मरण अनफिनिश्ड के रिलीज से पहले प्रियंका चोपड़ा से उनके प्लास्टिक सर्जरी करवाए जाने की अफवाहों के बारे में सवाल किया गया। हाल ही में एशियन स्टाइल मैग्जीन को दिए एक इंटरव्यू में प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि एक फिल्म मेकर ने उनके अनुपातों को सर्जरी के जरिए सही करवाने की हिदायत दी थी। प्रियंका का कहना है कि ह्यमैंने ये सभी बातें इसलिए नहीं लिखी हैं कि मुझे किसी को सफाई देनी है। मैं अपने जीवन की उस अवस्था में हूं जहां मैंने बैठकर अपनी जिंदगी के मील के पत्थरों के बारे में लिखा है। ये उन्हीं में से एक है, जो मैंने अपने दिल में दबा के रखा था, जिनसे मैं प्रभावित हुई थी।उन्होंने कहा- ह्यमैं मनोरंजन बिजनेस में एक महिला हूं। मुझे मजबूत होना पड़ा। जब कलाकार अपनी कमजोरी दशार्ते हैं तो लोग आपको नीचा दिखाने में आनंद महसूस करते हैं। मैंने सिर्फ अपना काम किया, मैंने जो झेला उसके बारे में बात नहीं की। मैं अब ज्यादा समझदार हूं, जिसकी वजह से अतीत की बात करना आसान हो जाता है। इस किताब में मैंने कोई सफाई नहीं दी है। ये मेरी जिंदगी की कहानी है, मेरे नजरिए सेब्रिटिश न्यूजपेपर द इंडिपेंडेंट की एक रिपोर्ट की मानें तो प्रियंका चोपड़ा ने अपने संस्मरण में बताया है कि 2000 में मिस वर्ल्ड का ताज हासिल करने के बाद वो एक फिल्म डायरेक्टर से मिली थीं, जिसने प्रियंका को प्लास्टिक सर्जरी का सुझाव दे डाला था। इस संस्मरण में लिखा है- कुछ देर बात करने के बाद इस डायरेक्टर/प्रोड्यूसर ने मुझे खड़े होकर आगे-पीछे घूमने के लिए कहा, मैंने किया। उसने मुझे काफी देर तक देखा और आंका, इसके बाद उसने सुझाव दिया कि अगर मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो मुझे अपने अनुपातों को सही कर लेना चाहिए और वो लॉस एंजिलिस में एक डॉक्टर को भी जानता था जहां मुझे भेज सकता था। ये सुनकर उस वक्त के मेरे मैनेजर ने भी हां में हां मिला दी थी।

प्रेमी - क्या तुम जानती हो कि संगीत में इतनी शक्ति होती है
कि पानी गरम हो सकता है!
प्रेमिका - हां जरूर, क्यों नहीं।
जब तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो पानी क्यों नहीं...!!!

एक अंकल ने एक बच्चे से पूछा - पढ़ाई कैसी चल रही है...?
बच्चे ने जवाब दिया - अंकल, समंदर जितना सिलेबस है,
नदी जितना पढ़ पाते हैं,
बाल्टी भर याद होता है,
गिलास भर लिख पाते हैं,
चुल्लू भर नंबर आते हैं,
उसी में डूब कर मर जाते हैं...!!!

राजूः दुनिया का सबसे बड़ा त्योहार कौन सा है?
पप्पूः घरवाली।
राजूः मतलब?
पप्पूः और क्या, हफ्ते में 3-4 बार तो मनाना ही पड़ता है।

पत्नीः मैं तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं?
पतिः बहुत ज्यादा।
पत्नीः फिर भी बताओ कितनी?
पतिः इतनी कि मन करता है तुम्हारे जैसी एक और ले आऊं।

मरीज- डॉक्टर यह मेरा पेहला ऑपरेशन है थोड़ा ध्यान से करना।
डॉक्टर- डरो मत, यह मेरा भी पहला ऑपरेशन है।

टीचरः बहुवचन किसे कहते है?
पप्पूः जब बहू अपने ससुराल वालों को खरी-खोटी सुनाती है, तो उसे बहुवचन कहते है।

चेन स्नैचिंग वाले महिला के गले से
हार खींच कर ले गए...
अगले दिन महिला बहुत ज्यादा दुखी हुई...
हार के लिए नहीं, अखबार वालों ने छाप दिया-
वृद्ध महिला के गले से हार छीन भागे चेन स्नैचर...!!
गर्लफ्रेंड - नहीं, आज कल मैं लाइट खा रही हूं!

खेल

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के बदले नियमों से नाखुश नजर आए विराट कोहली, जानें क्या कुछ कहा

नई दिल्ली : चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत की टीम को इंग्लैंड के हाथों 227 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दोनों ही पारियों में काफी निराशाजनक रहा। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय टीम को दूसरी पारी में महज 192 रनों पर ऑलआउट किया। इंग्लैंड के हाथों मिली हार के बाद भारत की टीम वर्ल्ड टेस्ट

चैंपियनशिप की प्वॉइंट टेबल में चौथे नंबर पर खिसक गई है, जबकि इंग्लैंड पहले नंबर पर पहुंच गई है। पहले टेस्ट में मिली हार के बाद कप्तान कोहली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नियमों में हुए बदलाव से नाखुश नजर आए।
वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत के चौथे स्थान पर खिसक जाने के सवाल पर टीम इंडिया के कप्तान ने कहा, हमारे लिए कुछ भी नहीं बदला है। अगर अचानक आप लॉकडाउन में हैं और नियम बदल जाते हैं तो आपके कंट्रोल में कुछ नहीं होता है। हमारे कंट्रोल में एक ही चीज है और वह हम फील्ड पर करते हैं। हम टेबल और बाहर चल रही चीजों को लेकर परेशान नहीं हैं। कुछ चीजों के लिए कोई भी लॉजिक नहीं होता है।

चेन्नई टेस्ट में पांचवें दिन ऐसा क्या हुआ कि फैन्स बोले- पिच पर कोई भूत है

नई दिल्ली : भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही चार टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को 227 रनों से हराया। 420 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की टीम दूसरी पारी में महज 192 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से कप्तान विराट कोहली ने सबसे अधिक 72 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की तरफ से जैक लीच ने चार और जेम्स एंडरसन ने तीन विकेट झटके। इस बीच, चेन्नई टेस्ट के पांचवें दिन एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब स्टंप पर लगी बेल्स बिना गेंद लगे अपने आप गिर गई।

उद्धव सरकार ने नहीं दी गवर्नर को प्लेन के इस्तेमाल की मंजूरी, खुद बुकिंग कराके गए देहरादून

मुंबई : महाराष्ट्र की उद्धव सरकार और राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के बीच टकराव का एक नया मामला सामने आया है। महाराष्ट्र की महा विकास अघाड़ी सरकार ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को देहरादून जाने के लिए सरकारी विमान के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं दी है, जिसके बाद खुद कर्मशियल फ्लाइट बुक करके उन्हें जाना पड़ा। माना जा रहा है कि इस घटनाक्रम से महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर से राज्यपाल और उद्धव सरकार में टकराव देखने को मिल सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई ने जानकारी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को राज्य सरकार के प्लेन से आज देहरादून जाना था। मगर जब वह मुंबई एयर पोर्ट पर पहुंचे, तो उनसे कहा गया कि उन्हें प्लेन से देहरादून के लिए उड़ान भरने की इजाजत नहीं दी गई है। इसके बाद उन्होंने कर्शियल फ्लाइट बुक की और फिर देहरादून के लिए रवाना हुए। बताया तो यह भी जा रहा है कि राज्यपाल कोश्यारी सरकारी विमान में जाकर बैठ चुके थे, उसके कुछ देर बाद उन्हें पता चला कि सरकार ने उन्हें इसकी इजाजत ही नहीं दी है। तब जाकर उन्हें खुद एक कमर्शियल फ्लाइट बुक करनी पड़ी। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में अब इस मसले पर सियासत देखने को मिल सकती है। भाजपा इस मुद्दे को लेकर उद्धव सरकार को घेरने की कोशिश कर सकती है। इससे पहले भी गवर्नर और राज्य सरकार के बीच कई मसलों पर टकराव देखे जा चुके हैं।

अमित शाह के बयान पर शिवसेना का पलटवार, फड़णवीस के शपथ ग्रहण की दिलायी याद

मुंबईः बंद दरवाजे के पीछे वादा नहीं करने के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान के दो दिन बाद शिवसेना ने मंगलवार को पलटवार करते हुए कहा कि वह भी हर काम खुलेआम करती है और चोरी-छिपे कुछ नहीं करती। शिवसेना के मुखपत्र ह्यसामना के संपादकीय में पूछा गया कि क्या 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फड़णवीस का मुख्यमंत्री के रूप में तड़के शपथ ग्रहण भी खुलेपन का उदाहरण था जिसकी शाह बात करते हैं।रविवार को शाह ने कहा था कि उन्होंने ऐसा कोई वादा नहीं किया था कि यदि शिवसेना-भाजपा गठबंधन 2019 का विधानसभा चुनाव जीतता है तो भाजपा मुख्यमंत्री का पद साझा करेगी (जिसका उद्धव ठाकरे की पार्टी ने दावा किया था) । दोनों ही दल बाद में इस मुद्दे पर अलग हो गये थे।कोंकण क्षेत्र के कंकावली में एक कार्यक्रम में शाह ने कहा था, मैं जो कुछ करता हूं, खुलेआम करता हूं। सामना में लिखा गया है, शिवसेना जो कुछ करती है, खुलेआम करती है। यदि ऐसी बात नहीं होती तो उसने कांग्रेस और राकांपा के साथ सरकार नहीं बनाई होती।

शिवसेना ने कहा कि भाजपा नेता महाराष्ट्र में सत्ता हाथ से जाने की विफलता को लेकर कुंठा के चलते ऐसा बयान दे रहे हैं उसने सवाल किया कि 2019 में राजभवन में तड़के फड़णवीस का मुख्यमंत्री एवं राकांपा के अजीत पवार का उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेना ह्यचीजें खुलेआम करना कैसे कहा जा सकता है? शिवसेना के साथ गठबंधन वार्ता टूट जाने के बाद एक अप्रत्याशित कदम के तहत फड़णवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था क्योंकि पवार राकांपा से पर्याप्त संख्या में विधायक नहीं जुटा पाये थे।पार्टी के मुखपत्र में यह भी कहा गया है कि देश दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के प्रदर्शन समेत कई समस्याओं से जूझ रहा है , इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री को इन मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

मौत से जंग लड़ रही 5 माह की बच्ची को लगेगा 16 करोड़ का इंजेक्शन, जानें सरकार और जनता ने कैसे की मदद

मुंबई : मुंबई में पांच महीने की बच्ची एक ऐसी दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है, जिसक इलाज का खर्च सुन हर कोई हैरान रह जाएगा। मुंबई के सबअर्बन अस्पताल में पांच महीने की बच्ची तीरा कामत का इलाज चल रहा है, जहां वह वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। तीरा कामत एसएमए टाइप 1 यानी स्पाइनल अस्ट्रोफी नामक एक दुर्बल बीमारी से जूझ रही है। इस बीमारी से ठीक होने के लिए बच्ची को एक ऐसे इंजेक्शन की जरूरत है, जिसकी कीमत 16 करोड़ रुपए है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बीमारी के इलाज में जो इंजेक्शन कारगर है, वह अमेरिका से आने वाला है। इस इंजेक्शन की कीमत 16 करोड़ बताई जा रही है। तीरा कामत के माता-पिता इतने सक्षम नहीं कि वे इतनी महंगे इंजेक्शन को खरीद सके। इसके लिए उन्होंने क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। सोशल मीडिया पर पेज बनाकर तीरा का माता-पिता ने क्राउड फंडिंग के जरिए 14 जनवरी तक 10 करोड़ रुपये इकट्ठा कर लिए। मगर यह अब भी नाकाफी था। बच्ची की ट्रीटमेंट में सबसे बड़ी बात यह थी कि करीब 6.5 करोड़ टैक्स लगना था। हालांकि, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के दखल से मोदी सरकार ने इंजेक्शन पर लगने वाले सभी टैक्स (23 फीसदी आयात शुल्क और 12 फीसदी जीएसटी) को माफ कर दिया

मुंबई में चलती ट्रेन से हुआ अलग डिब्बा, यातायात बाधित

मुंबई : महाराष्ट्र के मुंबई में जोगेश्वरी स्टेशन के पास गुरुवार को सुबह तेज गति से चल रही बांद्रा टर्मिनस-रामनगर एक्सप्रेस का एक डिब्बा ट्रेन से अलग हो गया, जिसके कारण पश्चिम लाइन पर लोकल और लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन में देरी हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इसके कारण बांद्रा टर्मिनस-रामनगर एक्सप्रेस कर आगे की यात्रा में देरी हुई और स्थानीय ट्रेन सेवाएं बाधित हुई। इस वजह से पश्चिम रेलवे के उपनगरीय नेटवर्क पर सैकड़ों यात्रियों को असुविधा हुई। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि तड़के करीब साढ़े पांच बजे अंधेरी और जोगेश्वरी स्टेशनों के बीच ट्रेन का सबसे पिछला एलएचबी (लिंके होफमैन बुश) डिब्बा ट्रेन से अलग हो गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने कहा कि ट्रेन का यह सबसे पिछला डिब्बा खाली था और उसे आगामी स्टेशन से खोला जाना था। यह जोगेश्वरी स्टेशन के निकट अलग हो गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद डिब्बे को ट्रेन से पुनः जोड़ा गया और ट्रेन ने सुबह छह बजकर 40 मिनट पर आगे की यात्रा शुरू की। ठाकुर ने कहा कि इस दौरान कोई यात्री हताहत नहीं हुआ। रेलवे के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इससे पहले, ट्रेन उत्तर प्रदेश के रामनगर के लिए सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर बांद्रा टर्मिनस से रवाना हुई थी और उसे सुबह पांच बजकर 55 मिनट पर बोरीवली पहुंचना था, लेकिन वह इस घटना के कारण सुबह सात बजकर तीन मिनट पर वहां पहुंची।

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net